				open	С					inteffor	maatr		devat	
LetS	RefTextNo	Akshara	origin	lose	voice	prana	dhwani	sthana	karana	t	а	anga	а	jati
न्	1-1-1	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-1-2	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
म्	1-1-3	म	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-1-4	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
स्	1-1-5	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
त्	1-1-6	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ऐ	1-1-7													
र्	1-1-8	र												
<u>उ</u>	1-1-9	<u>3</u>	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
द्	1-1-10	द	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
र्	1-1-11	र												
अ	1-1-12	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
म्	1-1-13	म	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-1-14	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
न्	1-1-15	न	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
य्	1-1-16	य	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वा मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
अ	1-1-17	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
व्	1-1-18								, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,					
अ	1-1-19	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
3	1-1-20	3	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
त्	1-1-21	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ओ	1-1-22											1		_
त	1-1-23	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-1-24	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
इ	1-1-25	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक			ब्राह्मण
ष	1-1-26	ষ	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	मूर्ध	विवृत मध्य प्रतिवृष्टित जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग		शूद्र
अ	1-1-27	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
व्	1-1-28								3 0 0					
ऐ	1-1-29													
<u>-</u> न्	1-1-30	न	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-1-31	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>	1	वायु	ब्राह्मण
म्	1-1-32	म म	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-1-33	अ	संवृत	संवार		1	नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>	<u> </u>	वायु	ब्राह्मण
:	1-1-34	:												_
l	1-1-35													
न	1-2-1	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधॊभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-2-2	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ		<b>ऐक</b>	"	वायु	ब्राह्मण
म्	1-2-3	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
<u>`</u> अ	1-2-4	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	 संवृत	<b>ऐक</b>	"	वायु	ब्राह्मण

स्	1-2-5	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
त्	1-2-6	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	, जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ऐ	1-2-7													
अ	1-2-8	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
स्	1-2-9	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
त्	1-2-10	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
<u>उ</u>	1-2-11	3	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
ध्	1-2-12	ध	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
अ	1-2-13	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
न्	1-2-14	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
व्	1-2-15												1	
अ	1-2-16	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
न्	1-2-17	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
ऍ	1-2-18													
ब्	1-2-19	ब	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	<b>उत्तरोष्ठ</b>	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
आ	1-2-20	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
ह	1-2-21													
उ	1-2-22	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
भ्	1-2-23	भ	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	<b>उत्तरोष्ठ</b>	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
य्	1-2-24	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वा मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
आ	1-2-25	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
म्	1-2-26	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
उ	1-2-27	3	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
त्	1-2-28	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-2-29	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
त्	1-2-30	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ऍ	1-2-31													
न्	1-2-32	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
म्	1-2-33	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-2-34	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
:	1-2-35	:												
I	-2-36													
य्	1-3-1	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
आ	1-3-2	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
त्	1-3-3	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-3-4	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
इ	1-3-5	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
ष्	1-3-6	ष	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	मूर्ध	विवृत मध्य प्रतिवेष्टित जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	शूद्र
उ	1-3-7	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
:	1-3-8	:												
श्	1-3-9	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण

ड	1-3-10	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहृत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
व	1-3-11	,						3			<del>                                     </del>			
अ	1-3-12	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
त्	1-3-13	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-3-14	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
म्	1-3-15	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
आ	1-3-16	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
श्	1-3-17	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
इ	1-3-18	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
व्	1-3-19													
अ	1-3-20	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
•_	1-3-21	•-												
ब्	1-3-22	ब	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
अ	1-3-23	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
भ्	1-3-24	भ	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
<u>ज</u>	1-3-25	<u> </u>	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	द्वि		भूमि	ब्राह्मण
व्	1-3-26													
अ	1-3-27	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
त्	1-3-28	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ऐ	1-3-29													
ध्	1-3-30	ध	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
अ	1-3-31	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
न्	1-3-32	न	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
3	1-3-33	3	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
:	1-3-34	:												
1	1-3-35													
श्	1-4-1	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
इ	1-4-2	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	<b>ऐक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
व्	1-4-3													
आ	1-4-4	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
श्	1-4-5	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
अ	1-4-6	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
र्	1-4-7	र												
अ	1-4-8	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
व्	1-4-9													
य्	1-4-10	य	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वा मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
आ	1-4-11	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
य्	1-4-12	य	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
आ	1-4-13	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
त्	1-4-14	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-4-15	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण

व	1-4-16													
अ	1-4-17	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
त्	1-4-18	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-4-19	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
य्	1-4-20	य	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वा मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
आ	1-4-21	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
न्	1-4-22	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
ऒ	1-4-23													
र्	1-4-24	र												
3	1-4-25	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
द्	1-4-26	द	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
<del></del>	1-4-27	र												
अ	1-4-28	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
म्	1-4-29	म	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
ऋ	1-4-30	<b>ऋ</b>	संवृत	संवार			नाद	उपसंहततर हनु सहित बर्स्व	अत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वाग्र	विवृत	<b>ऐक</b>		चन्द्र	ब्राह्मण
ड्	1-4-31	ड	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	मूर्ध	प्रतिवृष्टित जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
अ	1-4-32	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
य्	1-4-33	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वा मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
अ	1-4-34	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
1	1-4-35													
य्	1-5-1	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वा मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
आ	1-5-2	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
त्	1-5-3	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ऐ	1-5-4													
र्	1-5-5	र												
उ	1-5-6	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
द्	1-5-7	द	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
र्	1-5-8	र												
अ	1-5-9	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
श्	1-5-10	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
इ	1-5-11	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
व्	1-5-12													
आ	1-5-13	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
त्	1-5-14	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-5-15	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
न्	1-5-16	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
ऊ	1-5-17	ऊ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	द्वि		भूमि	ब्राह्मण
र्	1-5-18	र												
अ	1-5-19	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
घ्	1-5-20	घ	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	हकार	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
ऒ	1-5-21													

र	1-5-22	र									Τ			
आ	1-5-23	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हन्	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
2	1-5-24		3 6			1	<u> </u>				'		- 3	
प्	1-5-25	Ч	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
आ	1-5-26	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभृतौष्ठ	विवृत	द्वि	"	वायु	ब्राह्मण
प्	1-5-27	Ч	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-5-28	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
क्	1-5-29	क	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
आ	1-5-30	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
श्	1-5-31	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
इ	1-5-32	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	<b>ऐक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
न्	1-5-33	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
ई	1-5-34	ई	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	द्वि		अग्नि	ब्राह्मण
1	1-5-35													
त्	1-6-1	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-6-2	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
य्	1-6-3	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
आ	1-6-4	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
न्	1-6-5	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-6-6	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
स्	1-6-7	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
त्	1-6-8	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-6-9	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
न्	1-6-10	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
3	1-6-11	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
व्	1-6-12													
आ	1-6-13	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
श्	1-6-14	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
अ	1-6-15	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
न्	1-6-16	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
त्	1-6-17	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-6-18	<u>अ</u>	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
म्	1-6-19	<u>म</u>	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-6-20	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
य्	1-6-21	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	इषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
आ	1-6-22	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्धि		वायु	ब्राह्मण
<u>ग्</u>	1-6-23	<u>ग</u>	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
इ	1-6-24	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
र्	1-6-25	<b>T</b>									<u> </u>			
इ	1-6-26	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	<b>ऐक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
श्	1-6-27	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण

अ	1-6-28	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऍक</b>		वायु	ब्राह्मण
न्	1-6-29	न	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
त्	1-6-30	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
आ	1-6-31	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
भ्	1-6-32	भ	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
इ	1-6-33	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	<b>ऐक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
च्	1-6-34	च	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	तालु	जिह्वामध्य	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
आ	1-6-35	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
क्	1-6-36	क	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-6-37	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
श्	1-6-38	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
ई	1-6-39	ई	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	द्वि		अग्नि	ब्राह्मण
ह	1-6-40													
इ	1-6-41	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
1	1-6-42													
य्	1-7-1	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
आ	1-7-2	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
म्	1-7-3	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
इ	1-7-4	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	<b>एक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
ष्	1-7-5	ष	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	मूर्ध	विवृत मध्य प्रतिविष्टित जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	शूद्र
उ	1-7-6	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	<b>एक</b>		भूमि	ब्राह्मण
•_	1-7-7	•												
ग्	1-7-8	ग	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
इ	1-7-9	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
<b>र्</b>	1-7-10	र												
इ	1-7-11	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	<b>ऐक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
श्	1-7-12	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
अ	1-7-13	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
न्	1-7-14	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
त्	1-7-15	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-7-16	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
ह	1-7-17													
अ	1-7-18	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
स्	1-7-19	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
त्	1-7-20	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ऍ	1-7-21													
ब्	1-7-22	ब	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
इ	1-7-23	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	<b>ऐक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
भ्	1-7-24	भ	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
अ	1-7-25	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
5	1-7-26													

ष्	1-7-27	<u>ষ</u>	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	मूर्ध	विवृत मध्य प्रतिवेष्टित जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	शूद्र
य्	1-7-28	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
अ	1-7-29	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<u></u> ऐक		वायु	ब्राह्मण
स्	1-7-30	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
त्	1-7-31	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-7-32	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<u></u> एक		वायु	ब्राह्मण
व्	1-7-33													
ऐ	1-7-34													
1	1-7-35													
श्	1-8-1	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
इ	1-8-2	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	<b>ऐक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
व्	1-8-3													
आ	1-8-4	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
•	1-8-5	-												
ग्	1-8-6	ग	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
इ	1-8-7	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	<b>ऐक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
र्	1-8-8	र												
इ	1-8-9	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
त्	1-8-10	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
र्	1-8-11	र												
अ	1-8-12	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहृत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
त्	1-8-13	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
आ	1-8-14	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
•-	1-8-15	-												
क्	1-8-16	क	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
उ	1-8-17	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
र्	1-8-18	र												
उ	1-8-19	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
म्	1-8-20	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
आ	1-8-21	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
ह्	1-8-22													
इ	1-8-23	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	<b>ऐक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
•.	1-8-24	-												
स्	1-8-25	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	विवृत मध्य जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
ई	1-8-26	ई	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	द्वि		अग्नि	ब्राह्मण
:	1-8-27	:												
प्	1-8-28	प	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
3	1-8-29	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	<b>ऐक</b>		भूमि	ब्राह्मण
र्	1-8-30	र												
उ	1-8-31	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	<b>ऐक</b>		भूमि	ब्राह्मण
ष्	1-8-32	ष	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	मूर्ध	विवृत मध्य प्रतिवेष्टित जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	शूद्र

अ	1-8-33	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
	1-8-34						-	9 1 19	3		<del> </del>			
ज्	1-8-35	ज	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वामध्य	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
अ	1-8-36	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
ग्	1-8-37	ग	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
अ	1-8-38	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
त्	1-8-39	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
Ì	1-8-40													
श्	1-9-1	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
इ	1-9-2	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	<b>ऐक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
व्	1-9-3													
ऍ	1-9-4													
न्	1-9-5	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-9-6	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
व्	1-9-7													
अ	1-9-8	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
च्	1-9-9	च	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	तालु	जिह्वामध्य	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-9-10	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
स्	1-9-11	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
आ	1-9-12	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
त्	1-9-13	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
व्	1-9-14													
आ	1-9-15	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
ग्	1-9-16	ग	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
इ	1-9-17	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	<b>ऐक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
<del></del>	1-9-18	र												
इ	1-9-19	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	<b>ऐक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
श्	1-9-20	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
आ	1-9-21	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
च्	1-9-22	च	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	तालु	जिह्वामध्य	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
छ्	1-9-23	छ	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	तालु	जिह्वामध्य	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
आ	1-9-24	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
व्	1-9-25													
अ	1-9-26	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
द्	1-9-27	द	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
आ	1-9-28	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
म्	1-9-29	म	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-9-30	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
स्	1-9-31	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
इ	1-9-32	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
1	1-9-33													

य्	1-10-1	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
अ	1-10-2	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
थ्	1-10-3	थ	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
आ	1-10-4	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
न्	1-10-5	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-10-6	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
:	1-10-7	:												
स्	1-10-8	स	विवृत	विवार	अघॊष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
अ	1-10-9	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
र्	1-10-10	र												
व्	1-10-11													
अ	1-10-12	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
म्	1-10-13	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
इ	1-10-14	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
ज्	1-10-15	ज	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्नामध्य	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
ज्	1-10-16	ज	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वामध्य	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
अ	1-10-17	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
ग्	1-10-18	ग	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
अ	1-10-19	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
द्	1-10-20	द	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
अ	1-10-21	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
य्	1-10-22	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
अ	1-10-23	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
क्	1-10-24	क	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ष्	1-10-25	ष	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	मूर्ध	विवृत मध्य प्रतिवेष्टित जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	शूद्र
म्	1-10-26	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-10-27	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
•	1-10-28	•-												
स्	1-10-29	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
उ	1-10-30	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	<b>ऐक</b>		भूमि	ब्राह्मण
म्	1-10-31	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-10-32	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<u></u> ऐक		वायु	ब्राह्मण
न्	1-10-33	न	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
आ	1-10-34	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
अ	1-10-35	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
स्	1-10-36	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
अ	1-10-37	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
त्	1-10-38	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
l	1-10-39													
अ	1-11-1	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
द्	1-11-2	द	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय

ध्	1-11-3	ध	मध्य	संवार	घॊष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
य्	1-11-4	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वा मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
अ	1-11-5	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
व्	1-11-6													
ऒ	1-11-7													
च्	1-11-8	च	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	तालु	जिह्वामध्य	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-11-9	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
द्	1-11-10	द	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
अ	1-11-11	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
ध्	1-11-12	ध	मध्य	संवार	घॊष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
इ	1-11-13	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	<b>ऐक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
व्	1-11-14													
अ	1-11-15	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
क्	1-11-16	क	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
त्	1-11-17	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
आ	1-11-18	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
प्	1-11-19	Ч	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
र्	1-11-20	र												
अ	1-11-21	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
थ्	1-11-22	थ	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
अ	1-11-23	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
म्	1-11-24	म	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
ऒ	1-11-25													
द्	1-11-26	द	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
ऐ	1-11-27	ऐ	संवृत	संवार			नाद	अत्युपसंहत कल्प हनु	अत्युपसंहतौष्ट्ठ संवृतप्रयत्नाऽर्धमात्रिकाऽऽद्यंश भूत अकार तादृः	विवृत	द्वि		अग्नि	ब्राह्मण
व्	1-11-28													
य्	1-11-29	य	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वा मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
ओ	1-11-30													
भ्	1-11-31	भ	मध्य	संवार	घॊष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
इ	1-11-32	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	<b>ऐक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
ष्	1-11-33	ঘ	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	मूर्ध	विवृत मध्य प्रतिवेष्टित जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	शूद्र
अ	1-11-34	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
क्	1-11-35	क	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
l	1-11-36													
अ	1-12-1	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
ह्	1-12-2													
ई	1-12-3	ई	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	द्वि		अग्नि	ब्राह्मण
•	1-12-4	•												
श्	1-12-5	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
च्	1-12-6	च	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	तालु	जिह्वामध्य	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-12-7	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण

स्	1-12-8	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
अ	1-12-9	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
र्	1-12-10	र												
व्	1-12-11													
आ	1-12-12	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
न्	1-12-13	न	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
ज्	1-12-14	ज	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्नामध्य	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
अ	1-12-15	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
•	1-12-16	•												
भ्	1-12-17	भ	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
अ	1-12-18	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<u></u> एक		वायु	ब्राह्मण
य्	1-12-19	य	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
अ	1-12-20	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
न्	1-12-21	न	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
थ्	1-12-22	थ	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
स्	1-12-23	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
अ	1-12-24	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
र्	1-12-25	र												
व्	1-12-26													
आ	1-12-27	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
श्	1-12-28	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
च्	1-12-29	च	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	तालु	जिह्नामध्य	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-12-30	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
य्	1-12-31	य	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
आ	1-12-32	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
त्	1-12-33	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
<u>उ</u>	1-12-34	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
ध्	1-12-35	ध	मध्य	संवार	घॊष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
आ	1-12-36	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
न्	1-12-37	न	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
य्	1-12-38	य	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
अ	1-12-39	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
:	1-12-40	:												
l	1-12-41													
अ	1-13-1	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
स्	1-13-2	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
अ	1-13-3	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
उ	1-13-4	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
य्	1-13-5	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
अ	1-13-6	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
स्	1-13-7	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र

त्	1-13-8	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
आ	1-13-9	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
म्	1-13-10	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
र्	1-13-11	र												
ओ	1-13-12													
अ	1-13-13	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
र्	1-13-14	र												
3	1-13-15	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
ण्	1-13-16	ण	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-मूर्ध	प्रतिवृष्टित जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-13-17	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
3	1-13-18	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
त्	1-13-19	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-13-20	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
ब्	1-13-21	ब	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
अ	1-13-22	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
भ्	1-13-23	भ	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
Į.	1-13-24	र												
3	1-13-25	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
:	1-13-26	:												
स्	1-13-27	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
3	1-13-28	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
म्	1-13-29	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-13-30	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
ङ्	1-13-31	ङ	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
ग्	1-13-32	ग	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
अ	1-13-33	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
ल्	1-13-34	ल	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलस्थान	जिह्वा मध्य	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	वैश्य
अ	1-13-35	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
:	1-13-36	:												
l	1-13-37													
य्	1-14-1	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वा मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
ऐ	1-14-2													
च्	1-14-3	च	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	तालु	जिह्वामध्य	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ऐ	1-14-4													
म्	1-14-5	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
आ	1-14-6	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
•_	1-14-7	<b>-</b>							*					
र्	1-14-8	र												
<u>उ</u>	1-14-9	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
द्	1-14-10	द	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
र्	1-14-11	र												

आ	1-14-12	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
अ	1-14-13	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
भ्	1-14-14	भ	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
इ	1-14-15	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
त्	1-14-16	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
औ	1-14-17													
द्	1-14-18	द	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
इ	1-14-19	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
क्	1-14-20	क	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ष्	1-14-21	ष	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	मूर्ध	विवृत मध्य प्रतिवेष्टित जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	शूद्र
3	1-14-22	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	<b>ऐक</b>		भूमि	ब्राह्मण
श्	1-14-23	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
र्	1-14-24	र												
इ	1-14-25	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
त्	1-14-26	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
आ	1-14-27	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
:	1-14-28	:												
स्	1-14-29	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
अ	1-14-30	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
ह	1-14-31													
अ	1-14-32	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
स्	1-14-33	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
र्	1-14-34	र												
अ	1-14-35	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
श्	1-14-36	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
ऒ	1-14-37													
2	1-14-38													
व्	1-14-39													
ऐ	1-14-40	ऐ	संवृत	संवार			नाद	अत्युपसंहत कल्प हनु	अत्युपसंहतौष्ट्र संवृतप्रयत्नाऽर्धमात्रिकाऽऽद्यंश भूत अकार तादृः	विवृत	द्धि		अग्नि	ब्राह्मण
ष्	1-14-41	ष	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	मूर्ध	विवृत मध्य प्रतिवेष्टित जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	शूद्र
आ	1-14-42	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
•-	1-14-43	-												
ह	1-14-44													
ऐ	1-14-45													
ड्	1-14-46	ड	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	मूर्ध	प्रतिवृष्टित जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
अ	1-14-47	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
ई	1-14-48	ई	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	द्वि		अग्नि	ब्राह्मण
म्	1-14-49	ਸ ਸ	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-14-50	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
ह	1-14-51							-						
ऐ	1-14-52									1				

l	1-14-53												Τ	
अ	1-15-1	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
स्	1-15-2	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
अ	1-15-3	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हुनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
3	1-15-4	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
य्	1-15-5	य	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वा मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
ओ	1-15-6													
2	1-15-7													
व्	1-15-8													
अ	1-15-9	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
स्	1-15-10	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
<u>अ</u>	1-15-11	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हुनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
र्	1-15-12	र											† •	
प्	1-15-13	Ч	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-15-14	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
त्	1-15-15	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
इ	1-15-16	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहृत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	<b>ऐक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
न्	1-15-17	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
ई	1-15-18	ई	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	द्वि		अग्नि	ब्राह्मण
ल्	1-15-19	ल	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलस्थान	जिह्ना मध्य	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	वैश्य
अ	1-15-20	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
ग्	1-15-21	ग	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
र्	1-15-22	र												
ई	1-15-23	ई	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहृत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	द्वि		अग्नि	ब्राह्मण
व्	1-15-24													
ओ	1-15-25													
व्	1-15-26													
इ	1-15-27	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहृत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	<u></u> ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
ल्	1-15-28	ल	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलस्थान	जिह्ना मध्य	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	वैश्य
ओ	1-15-29												1	
ह	1-15-30												1	
इ	1-15-31	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
त्	1-15-32	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-15-33	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
:	1-15-34	:								-			† -	
l	1-15-35												1	
उ	1-16-1	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
त्	1-16-2	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-16-3	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
इ	1-16-4	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
न्	1-16-5	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य

अ	1-16-6	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
•	1-16-7										<u> </u>			
ग्	1-16-8	ग	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
औ	1-16-9													
प्	1-16-10	Ч	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
आ	1-16-11	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
अ	1-16-12	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
द्	1-16-13	द	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
उ	1-16-14	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घो न्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
श्	1-16-15	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
अ	1-16-16	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
न्	1-16-17	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
न्	1-16-18	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-16-19	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
द्	1-16-20	द	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
उ	1-16-21	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
श्	1-16-22	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
अ	1-16-23	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
न्	1-16-24	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
न्	1-16-25	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
उ	1-16-26	3	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
द्	1-16-27	द	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
अ	1-16-28	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
ह	1-16-29													
आ	1-16-30	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
Į.	1-16-31	₹												
य्	1-16-32	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
अ	1-16-33	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
:	1-16-34	:												
l	1-16-35													
उ	1-17-1	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
त्	1-17-2	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ऐ	1-17-3	ऐ	संवृत	संवार			नाद	अत्युपसंहत कल्प हनु	अत्युपसंहतौष्टु संवृतप्रयत्नाऽर्धमात्रिकाऽऽद्यंश भूत अकार तादृः	र विवृत	द्वि		अग्नि	ब्राह्मण
न्	1-17-4	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-17-5	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
•	1-17-6	•												
व्	1-17-7													
इ	1-17-8	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
श्	1-17-9	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
व्	1-17-10													
आ	1-17-11	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण

भ्	1-17-12	भ	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
<u>ज</u>	1-17-13	<u>ক</u>	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	द्वि	1	भूमि	ब्राह्मण
त्	1-17-14	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
आ	1-17-15	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
न्	1-17-16	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
इ	1-17-17	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	<b>ऐक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
स्	1-17-18	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
अ	1-17-19	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
द्	1-17-20	द	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
उ	1-17-21	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	<b>ऐक</b>		भूमि	ब्राह्मण
ष्	1-17-22	ष	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	मूर्ध	विवृत मध्य प्रतिवेष्टित जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	शूद्र
ट्	1-17-23	ट	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	मूर्ध	प्रतिवेष्टित जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ऒ	1-17-24													
म्	1-17-25	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
उ	1-17-26	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
ड्	1-17-27	ड	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	मूर्ध	प्रतिविष्टित जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
अ	1-17-28	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
य्	1-17-29	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
आ	1-17-30	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
त्	1-17-31	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
इ	1-17-32	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	<b>ऐक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
न्	1-17-33	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-17-34	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
:	1-17-35	:												
1	1-17-36													
न्	1-18-1	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-18-2	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
म्	1-18-3	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
ऒ	1-18-4													
अ	1-18-5	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<u></u> एक		वायु	ब्राह्मण
स्	1-18-6	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
त्	1-18-7	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
उ	1-18-8	3	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	<u> </u> एक		भूमि	ब्राह्मण
न्	1-18-9	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
इ	1-18-10	ई	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	द्वि		अग्नि	ब्राह्मण
ल्	1-18-11	ल	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलस्थान	जिह्ना मध्य	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	वैश्य
अ	1-18-12	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<u> </u> एक		वायु	ब्राह्मण
ग्	1-18-13	ग	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
र्	1-18-14	र												
इ	1-18-15	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	द्वि		अग्नि	ब्राह्मण
व्	1-18-16													

आ	1-18-17	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हन्	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
य्	1-18-18	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
अ	1-18-19	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<u></u> एक		वायु	ब्राह्मण
स्	1-18-20	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
अ	1-18-21	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
ह	1-18-22													
अ	1-18-23	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
स्	1-18-24	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
<del></del>	1-18-25	र												
आ	1-18-26	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
क्	1-18-27	क	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ष्	1-18-28	ष	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	मूर्ध	विवृत मध्य प्रतिवृष्टित जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	शूद्र
आ	1-18-29	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
य्	1-18-30	य	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
अ	1-18-31	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
म्	1-18-32	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
ई	1-18-33	ई	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	द्वि		अग्नि	ब्राह्मण
ढ्	1-18-34	ढ	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	मूर्ध	प्रतिवेष्टित जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
उ	1-18-35	3	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	<b>ऐक</b>		भूमि	ब्राह्मण
ष्	1-18-36	ष	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	मूर्ध	विवृत मध्य प्रतिवृष्टित जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	शूद्र
ऍ	1-18-37													
1	1-18-38													
अ	1-19-1	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
थ्	1-19-2	थ	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
ऒ	1-19-3													
य्	1-19-4	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
ऎ	1-19-5													
अ	1-19-6	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
स्	1-19-7	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
य्	1-19-8	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
अ	1-19-9	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
स्	1-19-10	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
अ	1-19-11	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
त्	1-19-12	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
व्	1-19-13													
आ	1-19-14	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
न्	1-19-15	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
ऑ	1-19-16													
2	1-19-17													
ह्	1-19-18													
अ	1-19-19	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण

•_	1-19-20	-												
त्	1-19-21	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ऐ	1-19-22													
भ्	1-19-23	भ	मध्य	संवार	घॊष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
य्	1-19-24	य	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वा मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
ओ	1-19-25													
2	1-19-26													
क्	1-19-27	क	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-19-28	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
र्	1-19-29	र												
अ	1-19-30	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
•	1-19-31	•-												
न्	1-19-32	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-19-33	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
म्	1-19-34	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-19-35	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
:	1-19-36	:						9 9			<u> </u>		<u> </u>	
l	1-19-37													
प्	1-20-1	Ч	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
र्	1-20-2	र												
<u>`</u> अ	1-20-3	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
म्	1-20-4	<b>म</b>	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
<u>3</u>	1-20-5	3	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
ञ्	1-20-6	ञ	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वामध्य	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
च्	1-20-7	च	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	तालु	जिह्वामध्य	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-20-8	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
ध्	1-20-9	ध	मध्य	संवार	घॊष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
अ	1-20-10	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
न्	1-20-11	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
व्	1-20-12												<u>                                     </u>	
अ	1-20-13	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
न्	1-20-14	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-20-15	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<u></u> ऐक		वायु	ब्राह्मण
स्	1-20-16	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
त्	1-20-17	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
व्	1-20-18												†	
अ	1-20-19	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
म्	1-20-20	म	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
<u>उ</u>	1-20-21	3	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
भ्	1-20-22	भ	मध्य	संवार	घॊष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
अ	1-20-23	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>	- "	वायु	ब्राह्मण

य्	1-20-24	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
ओ	1-20-25							-						
<del>Ţ</del>	1-20-26	र												
आ	1-20-27	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
Į.	1-20-28	र							3.					
त्	1-20-29	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
न्	1-20-30	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
इ	1-20-31	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	<u></u> एक		अग्नि	ब्राह्मण
य्	1-20-32	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
ओ	1-20-33													
<del></del>	1-20-34	र												
ज्	1-20-35	ज	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वामध्य	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
य्	1-20-36	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वा मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
आ	1-20-37	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
·	1-20-38	•												
1	1-20-39													
य्	1-21-1	य	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वा मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
आ	1-21-2	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
श्	1-21-3	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
च्	1-21-4	च	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	तालु	जिह्वामध्य	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-21-5	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
त्	1-21-6	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ऍ	1-21-7													
ह	1-21-8													
अ	1-21-9	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
स्	1-21-10	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्चास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
त्	1-21-11	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्चास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-21-12	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
इ	1-21-13	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
ष्	1-21-14	ष	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	मूर्ध	विवृत मध्य प्रतिवेष्टित जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	शूद्र
अ	1-21-15	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
व्	1-21-16													
अ	1-21-17	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
:	1-21-18	:												
प्	1-21-19	Ч	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-21-20	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
र्	1-21-21	र												
आ	1-21-22	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
त्	1-21-23	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
आ	1-21-24	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
भ्	1-21-25	भ	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय

अ	1-21-26	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
ग्	1-21-27	ग	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
अ	1-21-28	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
व्	1-21-29													
औ	1-21-30													
व्	1-21-31													
अ	1-21-32	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
प्	1-21-33	Ч	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	<b>उत्तरोष्ठ</b>	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-21-34	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
1	1-21-35													
अ	1-22-1	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
व्	1-22-2													
अ	1-22-3	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
त्	1-22-4	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-22-5	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
त्	1-22-6	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
य्	1-22-7	य	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वा मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
अ	1-22-8	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
ध्	1-22-9	ध	मध्य	संवार	घॊष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
अ	1-22-10	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
न्	1-22-11	न	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
3	1-22-12	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घो न्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
स्	1-22-13	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
त्	1-22-14	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
व्	1-22-15													
अ	1-22-16	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
•-	1-22-17	-												
स्	1-22-18	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
अ	1-22-19	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
ह्	1-22-20													
अ	1-22-21	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
स्	1-22-22	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
र्	1-22-23	र												
आ	1-22-24	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
क्	1-22-25	क	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ष्	1-22-26	ष	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	मूर्ध	विवृत मध्य प्रतिवेष्टित जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	शूद्र
अ	1-22-27	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
श्	1-22-28	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
अ	1-22-29	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
त्	1-22-30	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ऍ	1-22-31													

ष्	1-22-32	ৰ	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	मूर्ध	विवृत मध्य प्रतिवृष्टित जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	शूद्र
<u>उ</u>	1-22-33	3	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	<b>ऐक</b>		भूमि	ब्राह्मण
ध्	1-22-34	ध	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
ऐ	1-22-35													
1	1-22-36													
न्	1-23-1	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
इ	1-23-2	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
श्	1-23-3	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
ई	1-23-4	ई	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	द्वि		अग्नि	ब्राह्मण
र्	1-23-5	र												
य्	1-23-6	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
अ	1-23-7	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
श्	1-23-8	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
अ	1-23-9	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
ल्	1-23-10	ल	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलस्थान	जिह्ना मध्य	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	वैश्य
य्	1-23-11	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
आ	1-23-12	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
न्	1-23-13	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
आ	1-23-14	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
•	1-23-15	•_												
म्	1-23-16	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
3	1-23-17	3	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	<b>ऐक</b>		भूमि	ब्राह्मण
ख्	1-23-18	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
आ	1-23-19	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
श्	1-23-20	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
इ	1-23-21	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	<b>ऐक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
व्	1-23-22													
ऒ	1-23-23													
न्	1-23-24	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-23-25	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
:	1-23-26	:												
स्	1-23-27	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
3	1-23-28	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	<b>ऐक</b>		भूमि	ब्राह्मण
म्	1-23-29	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-23-30	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
न्	1-23-31	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
आ	1-23-32	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
भ्	1-23-33	भ	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
अ	1-23-34	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
व्	1-23-35													
अ	1-23-36	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण

1	1-23-37													
व्	1-24-1													
इ	1-24-2	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	<b>ऐक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
ज्	1-24-3	ज	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वामध्य	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
य्	1-24-4	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वा मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
अ	1-24-5	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
	1-24-6	•-												
ध्	1-24-7	ध	मध्य	संवार	घॊष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
अ	1-24-8	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऍक</b>		वायु	ब्राह्मण
न्	1-24-9	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
उ	1-24-10	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	<b>ऐक</b>		भूमि	ब्राह्मण
:	1-24-11	:												
क्	1-24-12	क	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्चास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-24-13	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
प्	1-24-14	Ч	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्चास	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-24-15	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
र्	1-24-16	र												
द्	1-24-17	द	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
इ	1-24-18	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
न्	1-24-19	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
ऒ	1-24-20													
व्	1-24-21													
इ	1-24-22	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
श्	1-24-23	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
अ	1-24-24	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
ल्	1-24-25	ल	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तर दन्त मूलस्थान	जिह्वा मध्य	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	वैश्य
य्	1-24-26	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वा मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
ऒ	1-24-27													
ब्	1-24-28	ब	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
आ	1-24-29	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
ण्	1-24-30	ण	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-मूर्ध	प्रतिवृष्टित जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-24-31	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
व्	1-24-32													
आ	1-24-33	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
उ	1-24-34	3	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घो न्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
त	1-24-35													
1	1-24-36													
अ	1-25-1	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
न्	1-25-2	न	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
ऍ	1-25-3													
श्	1-25-4	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण

अ	1-25-5	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
न्	1-25-6	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
न्	1-25-7	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-25-8	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
स्	1-25-9	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
य्	1-25-10	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वा मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
ऐ	1-25-11													
श्	1-25-12	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
ह	1-25-13								<u> </u>					
अ	1-25-14	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
व्	1-25-15													
अ	1-25-16	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
आ	1-25-17	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
भ्	1-25-18	भ	मध्य	संवार	घॊष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
<u>उ</u>	1-25-19	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घो न्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
<del></del>	1-25-20	र												
अ	1-25-21	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
स्	1-25-22	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
य्	1-25-23	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वा मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
अ	1-25-24	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
न्	1-25-25	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
इ	1-25-26	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
ष्	1-25-27	ष	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	मूर्ध	विवृत मध्य प्रतिवेष्टित जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	शूद्र
अ	1-25-28	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
ङ्	1-25-29	ङ	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
ग्	1-25-30	ग	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
अ	1-25-31	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
थ्	1-25-32	थ	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
इ	1-25-33	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
:	1-25-34	:												
	1-25-35													
य्	1-26-1	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
आ	1-26-2	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
त्	1-26-3	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ऍ	1-26-4													
ह	1-26-5													
ऍ	1-26-6													
त्	1-26-7	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
इ	1-26-8	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
र्	1-26-9	र												
म्	1-26-10	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य

ई	1-26-11	ई	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	द्वि		अग्नि	ब्राह्मण
ढ्	1-26-12	ढ	मध्य	संवार	घॊष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	मूर्ध	प्रतिवृष्टित जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
<u>3</u>	1-26-13	3	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	<b>ऐक</b>		भूमि	ब्राह्मण
ष्	1-26-14	ष	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	मूर्ध	विवृत मध्य प्रतिवृष्टित जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	शूद्र
ट्	1-26-15	ट	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	मूर्ध	प्रतिविष्टित जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-26-16	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
म्	1-26-17	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-26-18	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
ह	1-26-19													
अ	1-26-20	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
स्	1-26-21	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
त्	1-26-22	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ऎ	1-26-23													
ब्	1-26-24	ब	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
अ	1-26-25	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
भ्	1-26-26	भ	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
ऊ	1-26-27	ऊ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	द्वि		भूमि	ब्राह्मण
व्	1-26-28													
अ	1-26-29	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
ते	1-26-30													
ध्	1-26-31	ध	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
अ	1-26-32	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
न्	1-26-33	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
उ	1-26-34	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
:	1-26-35	:												
1	1-26-36													
त्	1-27-1	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-27-2	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
य्	1-27-3	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
आ	1-27-4	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्धि		वायु	ब्राह्मण
2	1-27-5													
स्	1-27-6	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
म्	1-27-7	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
आ	1-27-8	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
न्	1-27-9	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
व्	1-27-10													
इ	1-27-11	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	<b>एक</b>		अग्नि	ब्राह्मण
श्	1-27-12	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
व्	1-27-13													
अ	1-27-14	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
त्	1-27-15	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण

अ	1-27-16	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
स्	1-27-17	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
त्	1-27-18	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
व्	1-27-19													
अ	1-27-20	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
म्	1-27-21	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-27-22	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
य्	1-27-23	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वा मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
अ	1-27-24	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
क्	1-27-25	क	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ष्	1-27-26	ष	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	मूर्ध	विवृत मध्य प्रतिवेष्टित जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	शूद्र
म्	1-27-27	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-27-28	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<u></u> ऐक		वायु	ब्राह्मण
य्	1-27-29	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
आ	1-27-30	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
प्	1-27-31	प	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-27-32	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
र्	1-27-33	र												
इ	1-27-34	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
ब्	1-27-35	ब	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	उत्त <b>रो</b> ष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
भ्	1-27-36	भ	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
उ	1-27-37	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	<u></u> ऐक		भूमि	ब्राह्मण
ज्	1-27-38	ज	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वामध्य	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
अ	1-27-39	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
1	1-27-40													
न्	1-28-1	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-28-2	अ	संवृत	संवार	<u> </u>		नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
म्	1-28-3	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-28-4	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<u></u> ऐक		वायु	ब्राह्मण
स्	1-28-5	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
त्	1-28-6	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ऐ	1-28-7		1.	<u> </u>										
अ	1-28-8	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<u></u> एक		वायु	ब्राह्मण
स्	1-28-9	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	विवृत मध्य जिह्वाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
त्	1-28-10	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
व्	1-28-11													
आ	1-28-12	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
य्	1-28-13	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
उ	1-28-14	3	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	<u></u> ऐक		भूमि	ब्राह्मण
ध्	1-28-15	ध	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
आ	1-28-16	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण

य	1-28-17	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
आ	1-28-18	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हन्	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि	"	वायु	ब्राह्मण
न्	1-28-19	न	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
आ	1-28-20	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
त्	1-28-21	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-28-22	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
त्	1-28-23	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
आ	1-28-24	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
य्	1-28-25	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
अ	1-28-26	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
ध्	1-28-27	ध	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
<u>उ</u>	1-28-28	3	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
श्	1-28-29	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्नामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
ह	1-28-30													
ण्	1-28-31	ण	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-मूर्ध	प्रतिवेष्टित जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-28-32	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
व्	1-28-33													
ऎ	1-28-34													
1	1-28-35													
उ	1-29-1	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
भ्	1-29-2	भ	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
आ	1-29-3	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
भ्	1-29-4	भ	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
य्	1-29-5	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
आ	1-29-6	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
म्	1-29-7	<b>म</b>	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
उ	1-29-8	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
त्	1-29-9	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-29-10	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
त्	1-29-11	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ऎ	1-29-12													
न्	1-29-13	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक–उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-29-14	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
म्	1-29-15	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
ऒ	1-29-16													
ब्	1-29-17	ৰ	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	क्षत्रिय
आ	1-29-18	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
ह	1-29-19													
3	1-29-20	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
भ्	1-29-21	भ	मध्य	संवार	घॊष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
य्	1-29-22	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्ना मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य

आ	1-29-23	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हुनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि		वायु	ब्राह्मण
•	1-29-24	•							3 3.					
त्	1-29-25	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-29-26	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
व्	1-29-27													
अ	1-29-28	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
ध्	1-29-29	ध	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
अ	1-29-30	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
न्	1-29-31	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
व्	1-29-32													
अ	1-29-33	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
न्	1-29-34	न	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
ऐ	1-29-35													
1	1-29-36													
प्	1-30-1	Ч	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-30-2	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
र्	1-30-3	र									1			
इ	1-30-4	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
त्	1-30-5	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ऐ	1-30-6													
ध्	1-30-7	ध	मध्य	संवार	घॊष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
अ	1-30-8	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<u></u> ऐक		वायु	ब्राह्मण
न्	1-30-9	न	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
व्	1-30-10												- "	
अ	1-30-11	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<u></u> ऐक		वायु	ब्राह्मण
न्	1-30-12	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	जिह्वाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
ओ	1-30-13												- 00	
ह	1-30-14						1							
ऐ	1-30-15													
त्	1-30-16	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
इ	1-30-17	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहृत कल्पौष्ठ सिहत जिह्ना मध्य	विवृत	<b>ऐक</b>	<del>  '</del>	अग्नि	ब्राह्मण
र्	1-30-18	<b>t</b>			1						<u> </u>			
अ	1-30-19	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>		वायु	ब्राह्मण
स्	1-30-20	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधौभाग	विवृत मध्य जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
म्	1-30-21	ਸ ਸ	संवृत	संवार	घॊष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
आ	1-30-22	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्वि	"	वायु	ब्राह्मण
न्	1-30-23	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
व्	1-30-24									-   -		"	1 0	+
3	1-30-25	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	<u> </u> ऐक		भूमि	ब्राह्मण
ण	1-30-26	ण	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-मूर्ध	प्रतिवृष्टित जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-30-27	अ	संवृत	संवार		1	नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान तथाभूतौष्ठ	संवृत	<b>ऐक</b>	+ "-	वायु	ब्राह्मण

क्	1-30-28	क	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
त्	1-30-29	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
<u>उ</u>	1-30-30	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
व्	1-30-31													
इ	1-30-32	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
श्	1-30-33	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
व्	1-30-34													
अ	1-30-35	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
त्	1-30-36	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-30-37	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
:	1-30-38	:												
l	1-30-39													
अ	1-31-1	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
त्	1-31-2	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
ह	1-31-3													
ऒ	1-31-4													
य्	1-31-5	य	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	तालु	जिह्वा मध्य पार्श्वभाग	ईषत्स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	वैश्य
अ	1-31-6	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
इ	1-31-7	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
श्	1-31-8	ख	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	हनुमूल	जिह्वामूल	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	अग्नि	ब्राह्मण
ह	1-31-9													
<u>उ</u>	1-31-10	उ	संवृत	संवार			नाद	दीर्घोन्नतोपसंहतोत्तरोष्ठ	दीर्घोन्नतोपसंहताधरोष्ठ	विवृत	ऐक		भूमि	ब्राह्मण
ध्	1-31-11	ध	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
इ	1-31-12	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
स्	1-31-13	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
त्	1-31-14	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-31-15	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
व्	1-31-16													
आ	1-31-17	आ	संवृत	संवार			नाद	व्यस्त कल्प हनु	व्यस्त कल्प हनुस्थान– तथाभूतौष्ठ	विवृत	द्धि		वायु	ब्राह्मण
<del></del>	1-31-18	र												
ऍ	1-31-19													
अ	1-31-20	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
स्	1-31-21	स	विवृत	विवार	अघोष	महाप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	विवृत मध्य जिह्नाग्र	विवृत	अर्ध	पराङ्ग	भूमि	शूद्र
म्	1-31-22	म	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तरोष्ठ	अधरोष्ठ	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
अ	1-31-23	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान- तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
न्	1-31-24	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
न्	1-31-25	न	संवृत	संवार	घोष	अल्पप्राणा	नाद	विवृत नासिक-उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	सूर्य	वैश्य
इ	1-31-26	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्वा मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
ध्	1-31-27	ध	मध्य	संवार	घोष	महाप्राणा	विशिष्टहकार	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	चन्द्र	क्षत्रिय
ऍ	1-31-28													
ह्	1-31-29													

इ	1-31-30	इ	संवृत	संवार			नाद	तालु	तालुस्थानाऽत्युपसंहत कल्पौष्ठ सहित जिह्ना मध्य	विवृत	ऐक		अग्नि	ब्राह्मण
त्	1-31-31	त	विवृत	विवार	अघोष	अल्पप्राणा	विशिष्टश्वास	उत्तर दन्त मूलाऽधोभाग	जिह्नाग्र	स्पृष्ट	अर्ध	पराङ्ग	वायु	ब्राह्मण
अ	1-31-32	अ	संवृत	संवार			नाद	नात्युपसंहत हनु	नात्युपसंहत हनुस्थान तथाभूतौष्ठ	संवृत	ऐक		वायु	ब्राह्मण
•-	1-31-33	•.												
1	1-31-34													